SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 15 मार्च 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 165

केंद्र सरकार को एससी का झटका; कहा, पेंशन की बकाया राशि को किश्तों में देने का नोटिफिकेशन ले वापिस

नई दिल्ली (आरएनएस)। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को रक्षा मंत्रालय से कहा कि वह वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) योजना के तहत बकाए के भुगतान के लिए अगले सप्ताह तक एक रोडमैप लेकर आए। चार किस्तों में बकाया भुगतान की सूचना जारी कर कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकते। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि से कहा कि वे अगले सप्ताह सोमवार तक एक व्यापक नोट प्रस्तुत करें, जिसमें अब तक उठाए गए कदमों और बकाये का भुगतान करने के लिए कम से कम संभव समय दिखाया गया हो।

उन्होंने कहा कि हमारी चिंता यह है कि हमारे पूर्व सैन्यकर्मियों को पैसा मिलना चाहिए, सोमवार को एक अच्छे नोट के साथ आएं, वास्तव में कितनी राशि का भुगतान किया जाना है, भुगतान के तौर-तरीके क्या हैं, और प्राथमिकता क्या हैं। सबसे बुजुर्ग लोग, आप पहले सैन्य कर्मियों की विधवाओं को ले सकते हैं, आप कुछ वर्गीकरण कर सकते हैं। अदालत ने कहा कि ओआरओपी याचिका दाखिल करने के बाद से 4 लाख पेंशनभोगियों की मौत हो चुकी है।

पीठ में न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. परदीवाला की पीठ ने मंत्रालय से 20 जनवरी के उस पत्र को तुरंत वापस लेने को कहा, जिसमें कहा गया था कि ओआरओपी के बकाया का भुगतान चार किस्तों में किया जाएगा। पीठ ने एजी से कहा, पहले इसे (20 जनवरी की अधिसूचना) वापस लें, फिर हम समय बढ़ाने के आपके आवेदन पर विचार करेंगे।

चीफ जस्टिस ने एजी से पूछा, आप भुगतान कब करने की योजना बना रहे हैं? वेंकटरमणि ने तर्क दिया कि पूर्व सैनिकों को ओआरओपी बकाया की एक किस्त का भुगतान किया गया है, लेकिन आगे के भुगतान के लिए कुछ और समय चाहिए। एजी ने कहा, 31 मार्च तक, 2000 करोड़ रुपये का और भुगतान किया जाएगा और मैं इसे पूरी तरह से अपनी देखरेख में लेना चाहता हूं, हम इसे कितना बेहतर कर सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि रक्षा मंत्रालय का 20 जनवरी का संचार उसके फैसले के पूरी तरह विपरीत था और वह एकतरफा यह नहीं कह सकता कि वह चार किस्तों में ओआरओपी का बकाया भुगतान करेगा। पीठ ने कहा कि यदि 20 जनवरी का संचार वापस नहीं लिया जाता है, तो वह रक्षा सचिव को अदालत में उपस्थित होने के लिए कहेंगे।

27 फरवरी को, सुप्रीम कोर्ट ने सशस्त्र बलों के पात्र पेंशनरों को किश्तों में ओआरओपी के बकाया के भुगतान के संबंध में 20 जनवरी के संचार पर रक्षा मंत्रालय को फटकार लगाई थी।

शीर्ष अदालत इंडियन एक्स-सर्विसमेन मूवमेंट (आईईएसएम) द्वारा दायर एक आवेदन पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने रक्षा मंत्रालय के 20 जनवरी के संचार को रद्द करने की मांग की है। पिछले साल मार्च में शीर्ष अदालत ने केंद्र के फार्मूले के खिलाफ अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन के माध्यम से आईईएसएम द्वारा दायर याचिका पर फैसला सुनाया था।

शीर्ष अदालत ने 9 जनवरी, 2023 को केंद्र को सशस्त्र बलों के सभी पात्र पेंशनरों को ओआरओपी के कुल बकाया के भुगतान के लिए 15 मार्च तक का समय दिया था। बाद में, सरकार ने सशस्त्र बलों के सभी पात्र पेंशनरों को ओआरओपी योजना के बकाया भुगतान के लिए 15 मार्च, 2023 तक समय बढ़ाने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया।

पिछले साल जून में पहली बार शीर्ष अदालत का रुख करने और शीर्ष अदालत के फैसले के अनुसार गणना करने और भुगतान करने के लिए तीन महीने का समय देने के बाद केंद्र के पास अब तक बकाया राशि को चुकाने के लिए शीर्ष अदालत से दो एक्सटेंशन हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

भोपाल गैस कांड पीड़ितों को बड़ा झटका, 7400 करोड़ के अतिरिक्त मुआवजे की मांग एससी में खारिज

नई दिल्ली (आरएनएस)। भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ितों को 7400 करोड़ के अतिरिक्त मुआवजे की मांग वाली केंद्र की क्यूरेटिव याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने केंद्र की याचिका खारिज करते हुए भोपाल गैस त्रासदी पीड़ितों के मुआवजे में घोर लापरवाही पर फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लंबित दावों को पूरा करने के लिए भारत सरकार द्वारा आरबीआई के पास पड़े 50 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल किया जाएगा। 1984 में दो दिसंबर की रात को भोपाल में मौत ने ऐसा तांडव मचाया कि आज तक उसके जख्म नहीं भर सके। भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से हुई जहरीली गैस के रिसाव से रात को सो रहे हजारों लोग हमेशा के लिए मौत की नींद सो गए। इससे पूरे शहर में मौत का तांडव मच गया। मरने वालों की संख्या 16,000 से भी अधिक थी।

यूपी में महिला ने की भगवान कृष्ण से शादी

औरैया (आरएनएस)। एक अनोखे विवाह समारोह में औरैया जिले में एक महिला भगवान कृष्ण के साथ परिणय सूत्र में बंध गई। सेवानिवृत्त शिक्षक रंजीत सिंह सोलंकी की बेटी 30 वर्षीया रक्षा ने स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी कर ली है और एलएलबी कर रही है। रक्षा ने भगवान कृष्ण की मूर्ति के साथ गांठ बांधकर जीवन भर कान्हा से जुड़ी रहने के फैसला किया। भगवान कृष्ण से विवाह करने की उसकी इच्छा को पूरा करते हुए, उसके पिता ने समारोह की व्यवस्था की थी। खूबसूरती से शादी का 'मंडप' बनाया गया था। बाद में बारात भगवान कृष्ण की मूर्ति को लेकर विवाह स्थल पर पहुंची, जहां बारातियों ने डीजे की धुन पर डांस किया। अतिथियों को आमंत्रित किया गया और उनके लिए, भोजन, पेय और संगीत की भी व्यवस्था की गई। रात भर चली शादी के बाद दुल्हन कृष्ण की मूर्ति को लेकर जिले के सुखचैनपुर इलाके में अपने रिश्तेदार के यहां चली गई। बाद में, वह भगवान कृष्ण की मूर्ति को गोद में लेकर अपने मायके लौट आई।

खेलते समय बोरवेल में गिरा 7 साल का मासूम, राहत और बचाव कार्य जारी

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में मंगलवार को एक 7 साल का बच्चा बोरवेल में गिर गया। बच्चे को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। यह घटना राज्य की राजधानी भोपाल से करीब 60 किलोमीटर दूर विदिशा जिले में हुई। बोरवेल में गिरे बच्चे की पहचान लोकेश अहिरवार के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना, उस समय हुई जब बच्चा खेडखेड़ी पाथर गांव में खेल रहा था और अचानक वह खुले बोरवेल में गिर गया। लटेरी के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट हर्षल चौधरी ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद एक बचाव दल मौके पर पहुंचा और बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए ऑपरेशन शुरू किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन में जेसीबी मशीन की मदद से बच्चे को सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं। बच्चे की स्थिति को बेहतर तरीके से ट्रैक करने के लिए बोरवेल में एक कैमरा भी उतारा गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्होंने विदिशा जिला प्रशासन को बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने का निर्देश दिया है।

आतंकी साजिश का शक, जम्मू-कश्मीर में कई जगहों पर एनआईए की ताबड़तोड़ छापेमारी

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के प्रमुखों और सदस्यों की आतंकी गतिविधियों से संबंधित मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक, कुलगाम, पुलवामा, अनंतनाग और शोपियां में संदिग्धों के घरों की तलाशी ली जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने टेरर फंडिंग को लेकर हुर्रियत नेता काजी यासिर और जम्मू-कश्मीर साल्वेशन मूवमेंट के अध्यक्ष जफर भट के घरों पर छापा मारा है। सूत्रों के अनुसार छापे आतंकी फंडिंग और अन्य आतंकवादी गतिविधियों के मामलों से संबंधित हैं।

श्रीनगर के सौरा इलाके में जेल में बंद महिला अलगाववादी नेता आसिया इंद्राबी के घर की भी तलाशी ली गई। तिहाड़ जेल में बंद आसिया इंद्राबी की गिरफ्तारी के बाद साल 2019 में एनआईए ने घर को पहले ही कुर्क कर लिया था।

बता दें कि एनआईए ने पिछले साल 21 जून को स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने पिछले साल 23 दिसंबर को कुलगाम, पुलवामा, अनंतनाग, सोपोर और जम्मू जिलों में जम्मू और कश्मीर में 14 स्थानों पर तलाशी भी ली थी। तलाशी के दौरान, एजेंसी के अधिकारियों ने तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक सामग्री जैसे डिजिटल डिवाइस, सिम कार्ड और डिजिटल स्टोरेज डिवाइस बरामद किए थे।

फ्लाइट के बाद अब ट्रेन में भी पेशाब कांड, नशे में धुत टीटीई ने सो रही महिला पर कर दिया पेशाब

लखनऊ (आरएनएस)। एक और पेशाब कांड हुआ। इस बार अमृतसर और कोलकाता के बीच अकाल तख्त एक्सप्रेस में। ट्रेन में तैनात नशे में धुत टीटीई मुन्ना कुमार ने अपने पति के साथ यात्रा कर रही एक महिला पर पेशाब कर दिया। महिला सो रही थी जब टीटीई ने उस पर पेशाब किया। महिला जाग गई और शोर मचाया तो उसके पति ने टीटीई को पकड़ लिया।

अन्य यात्री भी जाग गए और टीटीई की पिटाई कर उसे राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सौंप दिया। जीआरपी ने टीटीई को हिरासत में ले लिया। जीआरपी चारबाग रेलवे स्टेशन के प्रभारी नवरत्न गौतम ने कहा कि यह कार्रवाई अमृतसर निवासी यात्री राजेश की शिकायत पर की गई है। उसकी पत्नी के साथ यह घटना हुई।

गौरतलब है कि इसी तरह की एक घटना कुछ महीने पहले एक उड़ान में हुई थी जब नशे में धुत एक व्यक्ति ने अपने बगल में बैठी महिला पर पेशाब कर दिया था। बाद में अमेरिका में काम करने वाले आरोपी शंकर मिश्रा को हिरासत में लिया गया और एयर इंडिया के विमान में उड़ान भरने पर 4 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया।

हाल ही की एक अन्य घटना में एक नशे में धुत व्यक्ति ने अमेरिकन एयरलाइंस की न्यूयॉर्क से दिल्ली की यात्रा पर अपने बगल में बैठे एक यात्री पर पेशाब कर दिया था।

भारत को वैश्विक कूटनीति में एक और बड़ी सफलता, यूएनएससी में स्थायी सीट के लिए ब्रिटेन का मिला समर्थन

नई दिल्ली (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिए भारत को बड़ा समर्थन मिला है। ब्रिटिश सरकार ने भारत को सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट दिए जाने की वकालत की है और अपने समर्थन का ऐलान किया है। सोमवार को ब्रिटेन की संसद में पेश डिफेंस और फॉरेन पॉलिसी रिव्यू में यह बात कही गई है। ऋषि सुनक सरकार का कहना है कि हम चाहते हैं कि सुरक्षा परिषद में सुधार किया जाए और भारत को स्थायी सदस्यता मिले। सरकार ने कहा कि हम मानते हैं कि इंडो-पैसेफिक क्षेत्र हमारी विदेश नीति का अहम स्तंभ है। ब्रिटिश सरकार ने भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए जाने पर भी प्रतिबद्धता जताई।

ब्रिटेन ने कहा कि हम चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सुधार आए। इसके लिए यह जरूरी होगा कि सुरक्षा परिषद की व्यवस्था में भी बदलाव किया जाए। ब्रिटिश संसद में पेश रिव्यू में कहा गया, 'हम सुरक्षा परिषद में ब्राजील, भारत, जापान और जर्मनी का स्वागत करते हैं।' बता दें कि इससे पहले अमेरिका और फ्रांस कई बार भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल किए जाने की मांग उठा चुके हैं। अब ब्रिटेन ने भी खुलकर भारत का समर्थन किया है। इस तरह सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों में से 3 मेंबर भारत के पक्ष में आ गए हैं। वैश्विक कूटनीति के लिहाज से यह भारत के लिए बड़ी सफलता है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के विदेशी मामलों संबंधी प्रवक्ता ने कहा, 'ऐसा पहली बार हुआ है, जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को लेकर हमने ब्रिटेन की नीति संबंधी दस्तावेज में बात की है। हमने पहली बार संसद के समक्ष यह बात रखी है कि हम यूएनएससी सुधारों का समर्थन करेंगे। यह ब्रिटेन के रुख में एक बदलाव है। हम यह भी कहते हैं कि हम स्थायी अफ्रीकी सदस्यता का समर्थन करते हैं।' विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक राजनीति में बढ़ते चीन के कद से निपटने के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश भारत की स्थायी सदस्यता की वकालत कर रहे हैं।

इसके अलावा जर्मनी, ब्राजील और जापान जैसे देशों को भी सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता देने की वकालत की जा रही है। गौरतलब है कि फिलहाल सुरक्षा परिषद में 5 सदस्य स्थायी होते हैं, जबकि 10 अस्थायी मेंबर भी होते हैं। ये अस्थायी मेंबर दो साल के लिए होते हैं और उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद नए सदस्यों को रोटेशन पर शामिल किया जाता है। हालांकि इन देशों को अहम मामलों में वीटो पावर नहीं होती है। वीटो पावर सिर्फ 5 स्थायी सदस्यों को ही है। यदि वीटो पावर वाला कोई देश किसी प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करता है तो वह पारित नहीं हो सकता।

गाजियाबाद में डॉक्टर की बेटी के अपहरण की कोशिश, आरोपी की पिटाई

गाजियाबाद (आरएनएस)। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित चार्म्स कैसल हाउसिंग सोसाइटी में बीती रात हंगामा हुआ। एक अज्ञात शख्स ने सोसाइटी के पार्क में खेल रही डॉक्टर की मासूम बेटी को उठा लिया। अपहरण के शक में भीड़ ने उसको पकड़ लिया। बच्ची को छुड़ाकर आरोपी की पिटाई की। पुलिस ने बमुश्किल आरोपी को लोगों से छुड़ाया और अपनी कस्टडी में लिया। गुस्साए लोगों ने एक बार फिर से आरोपी को कस्टडी से छुड़ा लिया और पिटाई कर दी। 4 थानों की फोर्स को बुलाना पड़ा। इसके बाद हालात संभाल सके। फिलहाल हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ चल रही है।

सोसाइटी में रहने वाले डॉक्टर भावेश चौधरी की डेढ़ वर्षीय बेटी अद्विका सोमवार रात करीब 9 बजे अन्य बच्चों के साथ पार्क में खेल रही थी। इस दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे कुछ खाने का लालच देकर गोद में उठा लिया और चलने लगा। सोसाइटी में घूम रहे अन्य लोगों ने उसे ऐसा करते देख लिया और बच्चा चोरी का शोर मचा दिया। आसपास के लोग इक_ हो गए। उन्होंने संदिग्ध आरोपी को दबोचकर मासूम बच्ची को कब्जे में ले लिया।

इतने में सोसाइटी के वॉट्सएप ग्रुप पर मैसेज वायरल हो गया कि बच्चा चोर गैंग घुस आया है, सभी अपने-अपने बच्चों को देख लें। बस फिर क्या था, सोसाइटी में रहने वाले कई सौ रेजिडेंट्स अपने-अपने फ्लैट से बाहर सोसाइटी के कॉमन एरिया में इक_ हो गए। उन्होंने आरोपी को दबोच लिया और मारपीट शुरू कर दी। सबसे पहले नंदग्राम थाना क्षेत्र स्थित मोरटा चौकी के प्रभारी पहुंचे। उन्होंने भीड़ के कब्जे से संदिग्ध आरोपी को छुड़ाया। पूछताछ में संदिग्ध ने बताया कि वो बच्चा चोरी नहीं कर रहा था, बल्कि उसको गोद में खिला रहा था। इस व्यक्ति ने ये भी बताया कि सोसाइटी में ही रहने वाले तीन लोग उसके साथ थे। वो किसी गलत इरादे से सोसाइटी में नहीं आया था।

इसी दौरान भीड़ ने संदिग्ध आरोपी को पुलिस के कब्जे से छुड़ा लिया और पिटाई शुरू कर दी। हंगामा बढ़ने की सूचना पर नंदग्राम, कोतवाली, सिहानी गेट और कोतवाली थाने के एसएचओ पुलिस फोर्स लेकर पहुंच गए। इधर, डिजिटल वॉलंटियर फोर्स (डीवीएफ) के रामकुमार पंवार, अंकित गुप्ता, सौरभ चौधरी, राजीव झा और विजय नारायण भी आ गए। इन्होंने जैसे-तैसे भीड़ को समझाया और फिर पुलिस, आरोपी को लेकर नंदग्राम थाने पर गई। पुलिस ने बताया कि अभी संदिग्ध आरोपी से पूछताछ चल रही है। वह बार-बार बयान बदल रहा है। ऐसा भी लग रहा है, जैसे वो नशे की हालत में हो।

बैतूल में हार्वेस्टर नदी में गिरा, एक की मौत और ती घायल

बैतूल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में तेज रफ्तार से जा रहा हार्वेस्टर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए माचना नदी में जा गिरा। हार्वेस्टर पर सवार सभी चार लोग दब गए। जिसमें से एक की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। शाहपुर के अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस (एसडीओपी) एच.एल. शर्मा ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब सात बजे इटारसी से फसल कटाई के लिए, हार्वेस्टर लेकर चार लोग बैतूल की ओर जा रहे थे। शाहपुर में माचना नदी के पुल पर हार्वेस्टर चालक नियंत्रण खो बैठा और पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए हार्वेस्टर नदी में गिरकर पलट गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नीचे दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया गया। पोकलेन मशीन की मदद से दबे हुए लोगों को बाहर निकाला गया। बताया गया है कि गंभीर चोट आने से हार्वेस्टर के चालक पंजाब निवासी कालासिंह (51) की मौत हो गई। इसके अलावा तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को शाहपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इटारसी की ओर से हार्वेस्टर जैसे ही नदी के पुल के पहले मोड़ पर आया तभी चालक संतुलन खो बैठा और मोड़ नही पाया जिससे हार्वेस्टर सीधा पाइप की रेलिंग को तोड़ता हुआ नदी में करीब 10 फीट नीचे गिरकर पलट गया। उसमें सवार सभी चार लोग फंस गए। हाईवे बना रही कंपनी की पोकलेन मशीन की मदद से हार्वेस्टर के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला गया।

बीएसएफ ने 12 सोने के बिस्कुट के साथ तस्कर किया काबू

नई दिल्ली (आरएनएस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी के खिलाफ लड़ाई में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जवानों ने उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लगभग 81 लाख रुपए मूल्य के 12 सोने के बिस्कुट के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। बीएसएफ ने बताया कि दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अंतर्गत सीमा चौकी तराली में बीएसएफ की 112 बटालियन के जवानों ने तस्करों के मंसूबों को नाकाम करते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर लगभग 81 लाख रुपए मूल्य के 12 सोने के बिस्कुट के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। जानकारी के मुताबिक जवानों ने तारली गांव से बाड़ की तरफ आ रहे एक व्यक्ति को देखा। उसे रोककर तलाशी ली तो गई तो उसकी कमर पर प्लास्टिक में लिपटे 12 सोने के बिस्कुट मिले।

बीएसएफ ने बताया कि तस्कर की पहचान जिला उत्तर 24 परगना निवासी अब्दुल लतीफ सरदार के रूप में हुई है। वहीं जब्त सोने का वजन 1,394 ग्राम है, जिसकी कुल कीमत 80,93,424 रुपए है। पूछताछ में पकड़े गए तस्कर ने खुलासा किया कि वह बीएसएफ ड्यूटी प्वाइंट पार कर नित्यानंदकाठी गांव निवासी मोंटू को सोने के बिस्कुट सौंपने वाला था। इस काम के लिए उसे 300 रुपए मिलने थे, लेकिन रास्ते में बीएसएफ के जवानों ने उसे पकड़ लिया।

फिलहाल पकड़े गए तस्कर व जब्त सोने के बिस्कुट को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया गया है। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता ने तस्करों के मंसूबे को विफल करने में बीएसएफ जवानों की सफलता पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि तस्कर तरह-तरह से तस्करी करने की कोशिश करते हैं, लेकिन बीएसएफ जवानों की सतर्कता और सूझबूझ से उनके मंसूबों को लगातार नाकाम किया जा रहा है।

मां-बेटी की हत्या के बाद पिता ने भी लगाई फांसी : सोशल मीडिया ने पूरे परिवार को किया तबाह, एएसपी कर रहे पूरे मामले की तफ्तीश

चित्रकूट (आरएनएस)। सोशल मीडिया ने एक भरे पूरे परिवार को तबाह कर दिया। ब्वायफ्रेंड के साथ आपत्तिजनक स्थिति में फोटो देखकर एक पिता ने मां-बेटी की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी। एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी पूरे मामले की बारीकी से तफ्तीश कर रहे हैं।

मां-बेटी की सोमवार को अपराह्न डेढ़ बजे हत्या करने के बाद आरोपी पिता नन्दकिशोर त्रिपाठी ने मंगलवार को सवेरे बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के सेमरदहा गांव से दो किमी दूर पिपरहरी जंगल में पेड़ में फंदा बनाकर फांसी लगाकर जान दे दी। बताया गया कि कल हुई मां-बेटी की हत्या के बाद पुलिस आरोपी पिता की तलाश में जुटी थी। पिता का शव मिलने पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है। एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी पूरे मामले की बारीकी से तफ्तीश कर रहे हैं। बताते हैं कि सेमरदहा गांव के नन्दकिशोर त्रिपाठी की पुत्री खुशी (18) अपने ननिहाल मारांचन्द्रा गांव में रहती थी। वहां पंकज यादव नाम के युवक से प्रेम प्रसंग हो गया। पिता ने बेटी के फोन पर एक लड़के के साथ आपत्तिजनक स्थिति में रील देखी तो वह आग बबूला हो गया। उसने बेटी को समझाने का प्रयास किया तो विवाद बढ़ता गया। पत्नी सीमा ने शान्त कराने की कोशिश की तो मामला और उलझ गया।

परिवार में विवाद इस कदर बढ़ा कि पिता ने लाइसेंसी दोनाली बन्दूक से बेटी खुशी व पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर पडोसी तत्काल मौके पर पहुंचे। इस बीच पिता बन्दूक छोड़कर मौके से फरार हो गया। आज मंगलवार को आरोपी नन्दकिशोर त्रिपाठी ने भी गांव से दो किमी दूर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पिता कर्वी स्थित कृष्ण विनायक प्राइवेट अस्पताल में काम करता था। ऐंचवारा गांव में वह पशु मित्र भी था। उसके पास कुल एक बीघा जमीन थी। उसे बंटाई पर देकर परिवार का गुजर-बसर करता था। अब उसके परिवार में 15 साल की पुत्री निशी बची है। मां-दीदी की मृत्यु के बाद पिता की भी मौत से वह सुधबुध खो बैठी है। पिता के शव से लिपटकर बार-बार रोने पर लोगों ने उसे ढांढस बंधाया। पूरे परिवार के खत्म होने से वह टूट चुकी है। एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि वह कल ही आत्महत्या करने वाला था, लेकिन लोगों ने उसे रोक लिया। आत्मग्लानि वश उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है।